महलों में रहने वाली

अरी ओ महलों में रहने वाली, आज तेरे कहाँ की तैयारी है
आज तेरी कहा की तैयारी है, आज तेरे कहा की तैयारी है
अरी ओ महलों में रहने वाली.....

श्री रामचंद्र वर प्रणाए मैं जनक दुलारी हूँ,
अवधपुरी में ब्याही आई मैं सीता रानी हूँ
अरी ओ महलों में रहने वाली.....

माता कैकेयी ने वचन लिए, राजा दशरथ की आज्ञा है,
छोटे लक्ष्मण साथ हुए मेरी वनों की तैयारी है
अरी ओ महलों में रहने वाली.....

महल छोड़े, चौबारे छोड़े, छोड़ा सारा घर बार,
छूट गए मेरे सास ससुर भी, छोड़ा अयोध्या का राज
अरी ओ महलों में रहने वाली.....

हार उतारा, सिंगार उतारा, उतारे सोलह सिंगार,
भगवा बाणा पहन लिया, मैने फूल लिए अपनाए
अरी ओ महलों में रहने वाली.....

13 वर्ष बीत चले,14वें मिले हनुमान,
लंका सारी फूंक गिराई, विभीषण मिलाए श्रीराम
अरी ओ महलों में रहने वाली.....

कुंभकर्ण मारे, मेघनाद मारे, रावण गए सिधाए,
भक्त विभीषण राज दिया तब की सब ने जयकार
अरी ओ महलों में रहने वाली.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22968/title/Mehlo-me-rehne-wali

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |